2. वचन (Number)

हम क्या जानेंगे

वचन का अर्थ, प्रकार, नित्य एकवचन तथा नित्य बहुवचन शब्द, वचन परिवर्तन के नियम, वचन से जुड़ी कुछ सामान्य अशुद्धियाँ।

सहज अवधारणा बोध

चलें पाठ की ओर

नीचे दिए गए गद्यांश में कुछ गड़बड़ हो गई है। आप उस गड़बड़ को पहचानकर बताइए-

यह संसार सुंदर-सुंदर चीज़ से भरा है। कहीं कल-कल करती नदी हैं, तो कहीं मन को मोहने वाली झील। कहीं आत्मा को आनंदित करती पहाड़ी हैं, तो कहीं रेगिस्तान में रेत का टीला का अद्भुत दृश्य।

ऊपर दिए गए वाक्यों में यह लड़की, एक चिड़िया, वह सड़क, यह गहना आदि शब्दों से उनके एक होने का पता चल रहा है, जबकि ये लड़कियाँ, कुछ चिड़ियाँ, वे सड़कें, ये गहने आदि शब्दों से उनके अनेक होने का पता चल रहा है। व्याकरण में इसे ही वचन कहा जाता है। इसे इस रूप में कहा जा सकता है कि–

परिभाषा

शब्द के जिस रूप से उसके एक या अनेक होने का पता चलता है, उसे 'वचन' कहते हैं।

वचन के भेद

वचन के दो भेद होते हैं–

(क) एकवचन (ख) बहुवचन

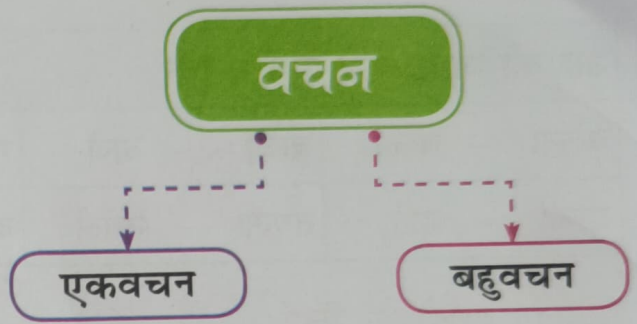

जो शब्द एक संख्या का बोध करवाते हैं, उन्हें **'एकवचन'** कहते हैं, जबकि जो शब्द एक से अधिक संख्या का बोध करवाते हैं, उन्हें **'बहुवचन'** कहते हैं।

जैसे– पत्ता, खिलौना, गेंद, साइकिल, रोटी आदि (एकवचन) तथा पत्ते, खिलौने, गेंदें, साइकिलें, रोटियाँ आदि (बहुवचन)।

वचन बदलने के कुछ सामान्य नियम

पुल्लिंग शब्दों के लिए

अ, इ, ई, उ तथा ऊ से अंत होने वाले पुल्लिंग शब्दों में बदलाव न करने का नियम

अकारांत (पत्थर), इकारांत (कवि), ईकारांत (हाथी), उकारांत (साधु), ऊकारांत (भालू)

पुल्लिंग शब्दों का बहुवचन रूप एकवचन के समान ही रहता है।

जैसे– फल, शब्द, पेड़, कपि, साथी, बिंदु, आलू आदि।

जैसे– पेड़ से फल गिरा। पेड़ से फल गिरे।

कपि (बंदर) पेड़ पर बैठा है। कपि (बंदर) पेड़ पर बैठे हैं।

क्रिया को देखकर इनके एकवचन या बहुवचन रूप का पता चलता है।

आ की जगह ए (ा) करके					
बल्ला – बल्ले	बाजा – बाजे	गमला – गमले	बच्चा – बच्चे	ताला – ताले	
छाता – छाते	तबला – तबले	दरवाजा – दरवाज़े	पंखा – पंखे	परदा – परदे	

स्त्रीलिंग शब्दों के लिए

'अ' की जगह एँ (ँ) करके			
बात – बातें	लहर – लहरें	किताब – किताबें	मुसकान– मुसकानें
छत – छतें	सड़क – सड़कें	झड़प – झड़पें	मेज़ – मेज़ें
'आ' के आगे 'एँ' लगाकर			
कविता – कविताएँ	लता – लताएँ	कथा – कथाएँ	महिला – महिलाएँ
माला – मालाएँ	सभा – सभाएँ	चिंता – चिंताएँ	कन्या – कन्याएँ
'इ' के आगे 'याँ' जोड़कर			
तिथि – तिथियाँ	लिपि – लिपियाँ	विधि – विधियाँ	रीति – रीतियाँ
'ई' को पहले 'इ' करने के बाद 'याँ' जोड़कर			
नदी – नदियाँ	कली – कलियाँ	राखी – राखियाँ	चक्की – चक्कियाँ
बच्ची – बच्चियाँ	अच्छाई – अच्छाइयाँ	दवाई – दवाइयाँ	मिठाई – मिठाइयाँ
'उ' के आगे 'एँ' लगाकर	वस्तु – वस्तुएँ	धातु – धातुएँ	ऋतु – ऋतुएँ
'ऊ' को 'उ' करने के बाद उसके आगे 'एँ' लगाकर			बहू – बहुएँ

कुल = 20

'औ' के आगे 'एँ' लगाकर			गौ – गौएँ
'या' को 'याँ' में बदलकर	चिड़िया – चिड़ियाँ	बुढ़िया – बुढ़ियाँ	पुड़िया – पुड़ियाँ

कुछ बच्चे 'या' वाले शब्दों का बहुवचन चिड़ियाएँ/चिड़ियाओं, बुढ़ियाएँ/बुढ़ियाओं आदि लिखते हैं। च्चो, आपको इस अशुद्धि का विशेष ध्यान रखना है।

गण, जन, वर्ग, लोग आदि लगाकर बने बहुवचन शब्द– अध्यापकगण, यात्रीगण, दर्शकगण,